VIth paper IV Semester
Rural Sociology IV Semester

प्रश्न (10) ग्रामीण नेतृत्व के प्रकारों तथा विशेषताओं लिखिए

उत्तर – प्रत्येक मानव समूह के कुछ लक्ष्य तथा उद्देश्य होते हैं। इन लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए एक सफल नेतृत्व की आवश्यकता होती है। नेतृत्व का प्रमुख कार्य समूह के उद्देश्यों को स्पष्ट करना है तथा इन उद्देश्यों की पूर्ति के लिए साधनों को निश्चित करना का कार्य Leadership का कार्य है। इतना ही नहीं समूह के सदस्य लोगों को नियंत्रण तथा अनुशासन में रखना ग्रामीण नेतृत्व के कार्यों में शामिल है। यद्यपि बदली हुई परिस्थितियों में Rural leadership में समय-समय पर परिवर्तन होते रहता है, फिर भी अन्य समाजों की तरह भारतीय ग्रामीण समुदाय भी हमेशा से कुछ व्यक्तियों के हाथ में leadership रहा है। गाँव में रहने वाले प्रत्येक जाति का अपना एक नेता होता है, जो उसके सदस्यों को नियंत्रण में रखता है और सामूहिक हितों की रक्षा करता है। बहुधा अलग-अलग गाँव के जातीय नेता बड़े क्षेत्र में मिलकर एक पंचायत का निर्माण करते हैं और उसके माध्यम से झगड़े झगड़ों और सामान्य समस्याओं का मिलजुलकर हल निकालते हैं।

ग्रामीण Leadership को सरल रूप में समझा जाए तो पता लगता है कि यह किसी के द्वारा बनाई नहीं जाती है बल्कि बन जाती है। जैसे - एक गाँव में बहुत सारे लोग रहते हैं, किसी के पास ज्यादा सम्पत्ति है तो किसी के पास बहुत कम। इनमें से प्रायः जो लोग पढ़े-लिखे तथा अमीर होते हैं और जो उम्र में बड़े होते हैं तो वहाँ के लोग उन्हें Respect की दृष्टि से देखते हैं। इसी बीच अगर किसी दो परिवारों के बीच रास्ते या पानी इत्यादि छोटी समस्या के लिए झगड़े होते हैं तो वे कोर्ट कचहरी न जाकर उस बुजुर्ग के पास चले जाते हैं और जो वे फैसला सुना देते हैं, तो दोनों पक्षों के लोग उनके ~~फैसल्ला~~ फैसले का पालन करते हैं या पालन करने को बाध्य होते हैं। और यहीं से नेतृत्व प्रारम्भ होता है। और धीरे-धीरे यही नेतृत्व सम्पूर्ण ग्राम का [illegible]